आरती – शिवजी की

ॐ जय शिव ओंकारा, भज शिव ओंकारा।
ब्रह्मा, विष्णु, सदाशिव, अर्द्धांगी धारा।। टेर ।।
एकानन चतुरानन, पंचानन राजे।
हंसासन गरूड़ासन, वृषवाहन साजे।। ॐ जय शिव ....
दो भुज चार चतुर्भुज, दशभुज अति सोहै।
तीनों रूप निरखते त्रिभुवन जन मोहै।। ॐ जय शिव ....
अक्षमाला वनमाला, रूण्डमाला धारी।
त्रिपुरारी कंसारी, करमाला धारी ।। ॐ जय शिव ....
श्वेताम्बर पीताम्बर, बाघाम्बर अंगे।
सनकादिक गुरुडादिक भूतादिक संगे।। ॐ जय शिव ....
कर मध्ये सुकमंडलु, चक्र त्रिशूल धारी।
सुख कारी दुख हारी, जग–पालनकारी।। ॐ जय शिव ....
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव, जानत अविवेका।
प्रणवाक्षर में शोभित, ये तीनों एका।। ॐ जय शिव ....
त्रिगुणस्वामीजी की आरती जो कोइ नर गावे।
कहत शिवानन्द स्वामी मनवांछित फल पावै।। ॐ जय शिव ....